राधाकुमुद मुकर्जी

प्राचीन भारत

454

682

विषय-सूची

प्रस्तावना ११

विषय; साधन

पहला अध्याय : पृष्ठभूमि १३

इतिहास पर भूगोल का प्रभाव; साधन; भाषाएँ; धर्म; जातियाँ (रेसेज़); इनकी सांस्कृतिक देन; मौलिक एकता; राजनीतिक एकीकरण।

दूसरा अध्याय : प्राग् इतिहास १७

मानव इतिहास की अवस्थाएँ; पूर्व-पाषाण-युग; मध्य-पाषाण-युग; नव-पाषाण-युग; शिकारी, पशुपालक और कृषिप्रधान संस्कृतियाँ; सभ्यता का श्रीगणेश; इसके प्राचीन स्थल; सिन्धु-सभ्यता; यहाँ की मुद्राएँ; ईंटों का प्रयोग; नालियाँ; सार्वजनिक भवन; हड़प्पा के उद्योग; नाव; सामग्रियों के स्रोत; मुद्राओं के चित्र; मूर्त्तियाँ; धर्म; सम्भावित काल; सिन्धु-सभ्यता के निर्माता।

तीसरा अध्याय : वैदिक युग २३

आर्य; ईरानी; ऋग्वेदकालीन भारत; प्रमुख जन; दाशराज्ञ युद्ध; आर्य-अनार्य-संघर्ष; सामाजिक संस्थाएँ; राजा; राजा का निर्वाचन; मंत्रि परिषद; सभा और समिति; न्याय; सेना; ऋग्वैदिक शिक्षा; ऋषि संघ; श्रुतियों का अध्ययन और अर्थ; व्रतचारी; भाषा; धर्म; क्षत्रिय; स्त्रियाँ; अन्य वर्ग; विवाह; सम्पत्ति; वेशभूषा; भोजन; खेल-कूद; आर्थिक परिस्थिति; सिंचाई; उद्योग-दस्तकारी; व्यापार; कालक्रम।

CamScanner

चौथा अध्याय : उत्तर-वैदिक-युग ३२
उत्तर-वैदिक साहित्य का युग; साधन; भौगोलिक तथ्य; सामाजिक जीवन; अर्थ-व्यवस्था; राज्य (साम्राज्यवाद); दण्ड की प्रभुता; मंत्रिपरिषद्; सभा और समिति; शिक्षा-पद्धति; पराविद्या; अध्ययन के विषय; धर्म की धारणा।

पाँचवाँ अध्याय : वैदिकोत्तर युग ३८
साधन; रामायण-महाभारत-कालीन सभ्यता; ग्रामीण स्वायत्तता; पाणिनि-कालीन भारत; ज्ञान-विज्ञान; उपचार; वर्णाश्रम-धर्म।

छठवाँ अध्याय : उत्तरी भारत (६५० ई० पू०-३२५ ई० पू०) ४१
जैन धर्म; जैन सिद्धान्त; वीर निर्वाण; गौतम बुद्ध; प्रथम उपदेश; बुद्धचर्या; बुद्ध की महानता; राजनीतिक इतिहास; प्रमुख राज्य; अवन्ती; वंस (वत्स); कोशल; मगध; बिम्बिसार; उसकी राजधानी; उसका राज्य; शासन; धर्म; उसका अन्त; अजातशत्रु (लगभग ५५१-५१६ ई० पू०); लिच्छवि-युद्ध; धर्म; अजातशत्रु के उत्तराधिकारी; नन्दवंश; गणराज्य; लिच्छवि; शाक्य; मल्ल; ज्ञातृक (नाय); तत्कालीन बौद्ध और जैन ग्रन्थों मे वर्णित सभ्यता; बस्तियाँ; सामाजिक व्यवस्था; आर्थिक-परिस्थिति; ग्राम-नियोजन; दस्तकारी; व्यापार-मार्ग; नाव; कारवाँ; समुद्री व्यापार; बाजार; मुद्रा; श्रेणियाँ; व्यापार-मार्गों के संकट; जाति और व्यवसाय; ईरानी आक्रमण; सिकन्दर का आक्रमण (३२७ ई० पू०); उसकी वापसी; परिणाम; यूनानी क्षत्रप; यूनानी लेखकों द्वारा भारतीय जीवन के उल्लेख; पशु-सम्पत्ति; संन्यासी।

सातवाँ अध्याय : मौर्य साम्राज्य ५६
चन्द्रगुप्त मौर्य (३२३-२९६ ई० पू०); चन्द्रगुप्त के कृत्यों के विषय में जस्टिन का उल्लेख; चन्द्रगुप्त की मुक्तिसेना के सैनिक; स्वतंत्रता-संग्राम की कथाएँ; सेल्युकस का आक्रमण; दक्षिणी विजय; पश्चिमी विस्तार; चाणक्य; शासन; शासन के विभाग; सामान्य प्रशासन; विभाग; सेना; कौटिल्य का वर्णन : विभाग; राजा; सामाजिक-जीवन; बिन्दुसार (२९६-२७४ ई०पू०); अशोक (लगभग २७४-२३६ ई०पू०); काल-

क्रम; साम्राज्य का विस्तार; शिलालेखों के स्थान; स्तम्भलेख; सीमाएँ; प्रशासन; दौरे (अनुसंधान); धर्मयात्रा; नैतिक मंत्रालय; सार्वजनिक कार्य; पश्चिमी देशों में कल्याण-मण्डल; धर्म-विजय; कलिंग विजय; नैतिक प्रचार; राजकीय दान; धर्म; तीसरी बौद्ध-संगीति; कला और स्थापत्य; गुहावास; सुदर्शन झील; अशोक के संबंधी; अशोक का अन्त; उत्तराधिकारी; मौर्य साम्राज्य का अन्त।

आठवाँ अध्याय : मौर्योत्तर राज्य ७३
(१) शुंग-वंश (लगभग १८६-६५ ई० पू०); पुष्यमित्र (लगभग १८६-१५० ई० पू०); यूनानी आक्रमण; साम्राज्य का विस्तार; धर्म; पुष्यमित्र के उत्तराधिकारी।
(२) काण्वायन वंश (लगभग ७५-३० ई० पू०)।
(३) आन्ध्र (लगभग ३० ई० पू०-२५० ई०); प्रारम्भिक इतिहास; शातकर्णि प्रथम; गौतमी-पुत्र शातकर्णि (लगभग ११९-१२४ ई०); पुलुमावी (१३०-१५९ ई०); वासिष्टी-पुत्र श्री शिव शातकर्णि (१५९-६६ ई०); यज्ञश्री शातकर्णि (१७४-२०३ ई०); आन्ध्र-साम्राज्य का पतन; आन्ध्र-वंश की शाखाएँ; आन्ध्र सभ्यता; धर्म; आर्थिक जीवन; समुद्री व्यापार; शान्ति और शासन।
(४) कलिंग वंश : प्राचीन इतिहास; खारवेल; कालक्रम।

नवाँ अध्याय : विदेशी आक्रमण और उनका देश में बसना ८१
यवन आक्रमण; यवन राजा; मिनान्डर (लगभग ११५-९० ई० पू०); महरजस ध्रमिक्स मेनद्रस; शक; माओस (लगभग २० ई० पू०-२२ ई०); वोनोनास (वनान); गोन्दोफर्नेस् (लगभग २०-५० ई०); शक-क्षत्रप; तक्षशिला; मथुरा; पश्चिमी भारत; उज्जयिनी; रूद्रदामा; कुषाण; कुजुल कड-फाइसेस प्रथम (लगभग १५-६५ ई०); विम कडफाइसेस द्वितीय (लगभग ६५-७५ ई०); उसके उत्तराधिकारी; कनिष्क प्रथम; मुद्राएँ; कनिष्क की प्रतिमा; वासिष्क (लगभग १०२-१०६ ई०); हुविष्क (लगभग १०६-१३८ ई०); वासुदेव प्रथम (लगभग १५२-१७६ ई०); बाद के कुषाण राजा;

कुषाणकालीन भारत; धर्म; कला; प्रशासन; लोक-कल्याण-कार्य और अनुदान; परिशिष्ट : यवन राजाओं का काल-क्रम।

दसवाँ अध्याय : गुप्त साम्राज्य ९४

प्रागु-गुप्त इतिहास; गणतंत्र : (१) आर्जुनायन, (२) मालव, (३) यौधेय, (४) लिच्छवी, (५) शिबि, (६) कुणिन्द, (७) कुलूत, (८) औदुम्बर; राजतंत्र : (१) नागवंश, (२) अहिच्छत्रा, (५) अयोध्या, (४) कौशाम्बी, (५) वाकाटक, (६) मौखरी; गुप्त-इतिहास; चन्द्रगुप्त प्रथम (३१९-३३५ ई०); गुप्त संवत्; समुद्र गुप्त पराक्रमांक (लगभग ३३५-३७५ ई०); कालक्रम; हरिषेण; समुद्रगुप्त की विजयें; प्रथम विजय; दक्षिणी अभियान; आर्यावर्त का दूसरा युद्ध; आटविक राज्यों की पराजय; प्रत्यन्त राज्यों से संबंध; विदेशी-राज्य; अश्वमेध; मुद्राएँ; चन्द्रगुप्त द्वितीय विक्रमादित्य (३७५ ई०–४१४ ई०); कालक्रम; राज्यारोहण; विजय; रामगुप्त; शासन; आर्थिक व्यवस्था; धर्म; मुद्राएँ; फा-ह्यान द्वारा वर्णित भारत (३९९-४१४ ई०); खोतान; कुमारगुप्त प्रथम महेन्द्रादित्य (४१४-४५५ ई०); शासन; मुद्राएँ; स्कन्दगुप्त विक्रमादित्य (४५५-४६७ ई०); शासन; धर्म; आर्थिक जीवन; मुद्राएँ; वलभी; पुरुगुप्त विक्रम प्रकाशादित्य; (४६७-६९ ई०); पुरुगुप्त के उत्तराधिकारी; कुमारगुप्त द्वितीय विक्रमादित्य (४७३-४७६ ई०); बुधगुप्त (४७६-४९५ ई०); भूमि के सौदे; सामन्त और प्रान्तीय राज्यपाल; नरसिंहगुप्त बालादित्य (४९५ ई० से लगभग ५१० ई०); भानुगुप्त; यशोधर्मा; स्थानीय राजा; वैन्यगुप्त; कुमारगुप्त तृतीय; प्रान्त का प्रशासन; गोपचन्द्र; विजयसेन; धर्मादित्य; समाचारदेव; गुप्तकालीन भारत; राजनीतिक स्वरूप; धर्म; जन-कल्याण; शिक्षा; मौखिक शिक्षा; कला और वास्तुशिल्प; मन्दिर स्थापत्य का विकास; समाज; आर्थिक जीवन; श्रेणी-निगम; बैंक; जन-हित-कार्य; प्रशासन; इकाइयाँ; कर और आय के साधन; वाकाटक वंश (लगभग २५०-५०० ई०); स्थानीय राज्य।

ग्यारहवाँ अध्याय : हर्ष का साम्राज्य ११९

साधन; पूर्वज; राजा की मृत्यु; राज्यवर्धन का अभिषेक; राज्यश्री का दुर्भाग्य; राज्यवर्धन का वध; बहन का उद्धार;

दिग्विजय; पुलकेशी द्वारा रोक; सेना; उत्तरी भारत पर आधिपत्य; विदेशी दूत; कन्नौज की सभा; प्रयाग की सभा; हर्ष के अप्रतिम दान; प्रशासन; राजकीय यात्राएँ; मुख्य-अधिकारी; उनका वेतन; आय; मुद्राएँ; ह्वान-चाँग का भारत-वर्णन; सम्प्रदाय और संन्यासी; शिक्षा के केन्द्र; नालन्दा महा-विहार; प्रवेश; विचार-गोष्ठी; अध्ययन के विषय; प्रमुख शिक्षक; मुद्राएँ।

बारहवाँ अध्याय : स्थानीय राज्य और उनका आपसी संघर्ष १२७

अर्जुन; आदित्यसेन; यशोवर्मा; आयुध; प्रतीहार; नागभट प्रथम; नागभट द्वितीय; मिहिरभोज; राजशेखर; महीपाल; प्रतीहारों का पतन; गाहड़वाल (१०९०-११९४), गोविन्द-चन्द्र (११०४-११५५); विजयचन्द्र; जयचन्द्र; बंगाल के पाल; गोपाल; धर्मपाल; देवपाल; जावा का दमन; नारायण-पाल; संकट; महीपाल प्रथम; महीपाल द्वितीय; मदनपाल; गोविन्दपाल; चन्द्रवंश; यादव; जातवर्मा; शूर; सेन; विजय-सेन, बल्लाल-सेन, लक्ष्मणसेन; कश्मीर : हूण; मातृगुप्त; कर्कोट-वंश; मुक्तापीड ललितादित्य; उत्पलवंश; रानी दिद्दा; लोहर; हर्ष; उच्छल; तिब्बती आक्रमण; सांस्कृतिक केन्द्र के रूप में कश्मीर; सिन्धु; नैपाल; असम; मालवा के परमार; वाक्पति द्वितीय; सिन्धुराज; भोज; अणहिलवाड़; चालुक्य; भीम प्रथम; सिद्धराज; कुमारपाल; बघेल; विशालदेव; चन्देल; वाक्पति; हर्ष; यशोवर्मा; खजुराहो का मन्दिर; धंग; विद्याधर; कीर्तिवर्मा; चेदी के कलचुरी; लक्ष्मण; पतन; चाहमान; शाकम्भरी; विग्रहराज षष्ठ; पृथ्वीराज तृतीय; गुहिलोत; शाही (शाहिय); कला।

तेरहवाँ अध्याय : दक्षिणी भारत १४५

स्थानीय राज्य; सार्वभौम राज्य; मध्य-दक्षिणी भारत : नल; पश्चिमी-दक्षिणी भारत : भोज; त्रैकूटक; कलचुरी; प्रारम्भिक राष्ट्रकूट; पूर्वी-दक्षिणी भारत : आन्ध्र; आनन्दवंश; सालंकायन; १ विष्णुकुण्डी वंश; २ कलिंग : (१) पितृभक्त, (२) माठर, (३) वासिष्ठ, (४) पूर्वी गंग; ३ दक्षिण कोसल और मेकल; सार्वभौम शक्तियाँ; पश्चिमी चालुक्य : पुलकेशी

CamScanner

द्वितीय; विक्रमादित्य प्रथम; विनयादित्य (६८१-६९२ ई०); विजयादित्य (६९६-७३३ ई०); विक्रमादित्य द्वितीय; (७३३-४५ ई०); कीर्तिवर्मा द्वितीय (७४६-७५७ ई०); पूर्वी चालुक्य : विष्णुवर्धन प्रथम; उसके उत्तराधिकारी; राष्ट्रकूट।

चौदहवाँ अध्याय : सुदूर दक्षिणी भारत १६२

प्रारम्भिक इतिहास; पाण्ड्य; चोल; परान्तक प्रथम और उसके उत्तराधिकारी; पल्लव।

पन्द्रहवाँ अध्याय : बृहत्तर भारत १७७

प्राचीन साक्ष्य; स्याम (थाईलैण्ड); कम्बुज (आधुनिक कम्बोडिया); चम्पा (अन्नम); मलाया; सुवर्णद्वीप; श्रीविजय; बोर्नियो; बाली; जावा; बर्मा; बृहत्तर भारत में भारतीय कला : (१) कोरिया, (२) जापान, (३) मध्य-एशिया, (४) चीन, (५) कम्बुज, (६) थाईलैण्ड, (७) बर्मा, (८) लंका, (९) जावा, (बोरोबोदूर), (१०) तिब्बत।